फिजो का पता ठिकाना

*५. **श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नागा उपद्रवियों का नेता फिजो पाकिस्तान पहुंच गया है और वहां से उपद्रवी नागाओं को संगठित कर उन्हें भारतीय क्षेत्र में उपद्रव करने के लिये उकसा रहा है ;

(ख) क्या यह सच है कि पाकिस्तान सरकार नागा उपद्रवियों की हथियारों और धन से सहायता कर रही है ; और

(ग) क्या नागाओं के कब्जे से मिले हथियारों और विस्फोटक पदार्थों के आगम स्थान का कोई पता चला है ?

t [WHEREABOUTS OP PHIZO

*5. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the leader of Naga hostiles, Phizo, has arrived in Pakistan and is organising Naga hostiles f jrm there and inst-gat-ing them to create trouble in the Indian territory;

(b) whether it is a fact that the Pakistan Government is giving assistance to the Naga hostiles in the shape of arms and money; and

(c) whether the source of arms and explosives found in possession of the Wagaj has been detected?]

वैदेशिक कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) पाकिस्तान के सरकारी प्रवक्ता ने पहले ही इसकी पुष्टि कर दी है कि फिजो पाकिस्तान में है और यह सूचना २९-५-६२ को ही लोकसभा में दी जा चुकी है।

(ख) सरकार को इसकी कोई सूचना नहीं है कि पाकिस्तान नागा विद्रोहियों को हथियारों या रुपये-पैसे की शक्ल में मदद दे रहा है।

(ग) विद्रोहियों के पास से जो हथियार मिले हैं, उनमें बहुत सी जापानी राइफिलें हैं और वह गोला बारूद भी, जिसका युद्ध-कालीन संग्रह दूसरे महायुद्ध के दौरान में नागा जंगलों में हुआ था। कुछ वे हथियार भी हैं, जो हमारे सुरक्षा दल ने खोये हैं। हमें यह भी मालूम है कि विद्रोहियों के पास ऐसे कुछ कारीगर हैं, जो देशी किस्म की मुंह-भरनी (मजिल लोडिंग) बन्दूकें बना सकते हैं।

tfTHE DEPUTY MINISTER nf TH» I MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DJNESH SINGH): (a) Official spokesmen of the Pakistan Government have already confirmed that Phizo is in Pakistan and this information has been given in the Lok Sabha already on 29th May, 1962.

(b) The Government have no information suggesting that Pakistan is giving assistance to the Naga hostiles in the shape of either arms or money.

(c) Of the arms recovered from the hostiies many are Japanese rifles and ammunition from the wartime dumps located in the Naga jungles during World War II. Some others are weapons lojt by the security forces. The hostiles are also known to have some artisans who can manufacture country-made muzzle-loading guns.J

श्री नवाबसिंह चौहान : जैसा कि समाचारपत्रों में प्रकाशित हुआ है कि नागा विद्रोही फिजो पूर्वी पाकिस्तान से पश्चिमी पाकिस्तान चला गया है और अपने साथ कुछ नागाओं को ले जा रहा है ताकि यू० एन० ओ० में हिन्दुस्तान के खिलाफ प्रचार कर सके। क्या सरकार बतलाने की कृपा करेगी कि इस समाचार में कोई तत्व है ?

tl J English translation.

श्री जवाहरलाल नेहरू : हमने यह खबर अखबारों में पढ़ी है । हमें मालूम नहीं कि उनका क्या इरादा है । शायद कुछ नागा विद्रोही पश्चिमी पाकिस्तान में फिजो के साथ गये हों । वहां से कहां गये, यह मैं नहीं कह सकता हूं ।

شومی اے - ایم - طاق : کیا میں وزیر اعظم صاحب سے یہ جان سکتا ہوں کہ کیا اس بات میں حقیقت ہے کہ جب پچھلے دنوں مسٹر فیزو پچھمی پاکستان آئے تھے تو نہیں پاکستان کے افسر ہوائی اڈہ سے کسی نامعلوم مقام پر لے گئے - اور کیا یہ بھی درست ہے کہ مسٹر فیزو کو مشرقی پاکستان میں پریذیڈنٹ ایوب کے ہوائی جہاز میں اڑا کر پہنچایا گیا - اگر یہ درست ہے تو حکومت ہندوستان نے اس سلسلہ میں کیا کارروائی کی ہے -

†[**श्री ए० एम० तारिक** : क्या मैं वजीरे आजम साहब से यह जान सकता हूं कि क्या इस बात में हकीकत है कि जब पिछले दिनों मि० फिजो पश्चिमी पाकिस्तान आये थे तो उन्हें पाकिस्तान के अफसर हवाई अड्डे से किसी नामालूम मुकाम पर ले गये और क्या यह भी दुरुस्त है कि मि० फिजो को मशरिकी पाकिस्तान में प्रेसिडेंट अयूब के हवाई जहाज में उड़ा कर पहुंचाया गया । अगर यह दुरुस्त है तो हुकूमत हिन्दुस्तान ने इस सिलसिले में क्या कार्रवाई की है ?]

श्री जवाहरलाल नेहरू : माननीय सदस्य को मालूम होना चाहिये कि हर एक बात में हिन्दुस्तान कूदकर कार्यवाही नहीं करता है । कभी कभी ऐसी कार्यवाही नामुनासिब होती है और नुकसानदेह होती है । इस तरह से पूछना कि क्या कार्यवाही की गई है, मुझे बड़ा अजीब मालूम देता है । यह बात सही है कि कि जब फिजो साहब पाकिस्तान पहुंचे तो उन्हें एक नामालूम जगह ले जाया गया, कहां ले जाया गया, यह मैं नहीं जानता ।

श्री ए० बी० वाजपेयी : क्या सच है कि जब १५० नागा विद्रोही पूर्वी पाकिस्तान में प्रवेश कर रहे थे तो पाकिस्तान की फौजों ने गोली चलाकर उनकी रक्षा की और हमें वहां जाने से रोका । यदि सच है तो फिर प्रश्न के उत्तर में यह क्यों कहा गया है कि नागा विद्रोहियों को पाकिस्तान से मदद नहीं मिल रही है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : प्रश्न के उत्तर में यह कहा गया है कि सरकार को इसकी कोई खबर नहीं है कि पाकिस्तान उनको हथियार या रुपया दे रहा है । उन्होंने खाली दरिया के पार से गोली चलाई---कभी कभी गोली चलाया करते हैं---दरिया के पार से लेकिन यह गालिबन सही है कि उस वक्त जो गोली चलाई गई वह नागा विद्रोहियों की हिफाजत करने के लिए चलाई गई थी ।

SHRI BHUPESH GUPTA: What exactly is the position? When Phizo came to Karachi, he made it known that he was gMng there to meet the Naga rebels or rather hostiles who would be coming or who had come to Pakistan. Then afterwards the Pakistan Government made it known that they did not know where he was after having reached Pakistan, and we know that the Nagas are going, slipping through the fingers of the Government of India into East Pakistan. May I know whether in view *al* all these facts the Government have made any— I do not know what it is called—rep-presentation or whatever it is to find out the exact position as to where the Pakistan Government stands in regard to this matter, whether Phizo has absconded in Pakistan—he is becoming an elusive Pimpernel—or whether he is available? These things are important because Nagas are going through Assam into East Pakistan?

†[ ] Hindi transliteration.

SHRI JAWAHARLAL NEHRU: I am not aware of the fact that more Nagas are going to Pakistan. I do not think there is much chance of their going, and if I may say so, express my private opinion, the more Nagas go there the better—that is neither here nor there—because there are difficulties in Nagaland. They have become rather very unpopular, the hostile people there, and they have been pressed greatly, under the pressure of our Army. That may be one reason among others why a few have gone to Pakistan. As for Mr. Phizo's movements, we have not addressed the Pakistan Government, we did not think it proper, but to some extent we are kepi: informed of them through other sources.

SHRI N. SRI RAMA REDDY: May I know if the hon. Prime Minister is aware of the activities of the hostile Nagas who have escaped into Pakistan? I would like to know whether they are engaged in any anti-Indian activities.

SHRI JAWAHARLAL NEHRU: No, Sir. To our knowledge they are not ^engaged in any worth while activities.

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय के एककों के कर्मचारी

***६. श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या **सूचना तथा प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय के प्रत्येक एकक के अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाओं के अनुभागों में पहली, दूसरी, तीसरी और चौथी श्रेणी के कितने कितने कर्मचारी हैं और उनके वेतन-क्रम क्या हैं ; और उन में से कितने कर्मचारी राजपत्रित हैं और कितने अराजपत्रित हैं ; और

(ख) प्रत्येक एकक के दोनों प्रकार के अनुभागों में पृथक् पृथक् कितने कितने कर्मचारी केन्द्रीय सूचना सेवा के हैं और उन में से कितने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई परीक्षा के द्वारा भर्ती किए गए और कितने इस परीक्षा के बिना भर्ती किए गए और वे किस रीति से भर्ती किए गए ?

t [EMPLOYEES IN THE UNITS OF I. & B. MINISTRY

*6. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) what is the number of employees in each of grades I, II, HI and IV in sections for English and Indian languages in every unit of his Ministry and what are their pay-scales, and how many of them are gazetted employees and how many are non-gazetted employees; and

(b) how many employees in each of the two types of sections of every unit belong to the Central Information Service and how many of them were recruited through the examination held by the Union Public Service Commission and how many were recruited without this examination; and by what method they were recruited

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम नाथ) : (क) और (ख). ग्रेड १, २, ३ और ४ केवल सेन्ट्रल इंफार्मेशन सर्विस में हैं । उनके तनख्वाह के स्केल इस तरह हैं :-

ग्रेड १. ७००--४०--११००--५०/२--१२५० रुपये ।

ग्रेड २. ४००--४००--४५०--३०--६००--३५--६७०--ई० बी० ३५--६५० रुपये ।

ग्रेड ३. ३५०--२५--५००--३०--५६०--ई० बी०--३०--८०० रुपये ।

ग्रेड ४. २७०--१०--२६०--१५--४१०--ई० बी०--१५--४८५ रुपये ।

t[ ] English translation.